निष्कर्ष:-

1-उच्च शिक्षा से दलित स्त्रियों का बंचित होना परिवार का अशिक्षित होना एक मुख्य कारण हैं। और ऐतिहासिक रूप से समाजिक दबाव जिसका प्रभाव आज दलित समाज के स्त्रियों को हिम्मत नहीं डर देना उच्च शिक्षा में किसी जातिवादी व्यक्ति के सम्पर्क में आना हैं।

2-आर्थिक समस्या के कारण दलित स्त्रियाँ उच्च शिक्षा से बंचित हो जाती हैं। और संवैधानिक अधिकारों के कारण सम्पत्ति प्राप्त करने के कारण उत्थान होने की संभावना हैं।

3-उच्च शिक्षा में दलित स्त्रियों को जाने का उचित मार्गदर्शन नहीं मिल पाता हैं। क्योकि इनके परिवार में कम पढ़ा लिखा व्यक्ति आर्थिक समाधान में उच्च शिक्षा को महत्व नहीं दे पते हैं।

4-शिक्षण संस्थानों में धर्म और जाति के कारण भी दलित स्त्रियों का शिक्षा बाधित हो जाती हैं। और धर्म के नाम पर शिक्षण संस्थानों में जाति उन्माद फैलता है और दलित वर्ग की स्त्रियों को उसका मनोवैज्ञानिक क्रूरता का सामना करना पड़ता हैं।

5-समाजिक और धार्मिक वैचारिक मतभेदों के कारण उच्च शिक्षा के क्षेत्र से दुरी दलित स्त्रियों का हो जाता हैं।

6-जाति उत्पीड़न के कारण दलित स्त्रियाँ उच्च शिक्षा के क्षेत्र के बारे में सोचती ही नहीं हैं।

7-उच्च शिक्षण संस्थानों में परिवारवाद के कारण दलित स्त्रियों में असफल होने का डर होने के कारण पढ़ाई नहीं करती हैं।

8-दलित स्त्रियों के साथ उच्च शिक्षा में आर्थिक, समाजिक, धार्मिक, और राजनीतिक भेदभाव भी होता हैं।

9-दलित स्त्रियों में जातिवादी भावना नहीं होती है किन्तु उच्च जाति के स्त्रियों या पुरुषो द्वारा भेदभाव करने के कारण मनभेद और जाति मतभेद होने के कारण शिक्षा के क्षेत्र से दूर हो जाती हैं।

10- समाजिक रूप से न्याय को पाने के लिए दलित स्त्रीयों में उच्च शिक्षा शिक्षा के क्षेत्र में कुछ आयी हैं।

11-उच्च शिक्षा के क्षेत्र में दलित विद्यार्थी के साथ उनके जाति के नाम से मानसिक उत्पीड़न करना जिसके कारण शिक्षा के प्रति नकारात्मक भावना होना की शिक्षा के संस्थान असुरक्षित है जिसके कारण दलित स्त्रियाँ नहीं पढ़ाई करती हैं।

12-उच्च शिक्षण संस्थानों में अवैज्ञानिकता के द्वारा परम्परागत जातिवादी आतंकवाद द्वारा दलित स्त्रियों को मानसिक उत्पीड़न करने के कारण उच्च शिक्षा में बेहतर नहीं कर पाना हैं।

13-उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वही दलित स्त्रियों का भागीदारी हुआ है जिनको आर्थिक समस्या का सामना नहीं करना पड़ता हैं।

14-उच्च शिक्षा के क्षेत्र में दलित स्त्रियों की संख्या की धोड़ी बढोतरी हो रही है किन्तु साधन के आभाव में दलित स्त्रियों को शिक्षा के क्षेत्र से जाना पड़ता है क्यों की जो भी स्त्री अपने गरीबी में उच्च शिक्षा लिया है उसको रोजी-रोटी का भी समस्या का सामना करना पड़ता हैं।

15-उच्च शिक्षा में दलित स्त्रियों के आने से इनके समाजिक स्थिति में सुधार हुआ है और ये स्त्रियाँ किसी जीस क्षेत्र में है उसमे इनका बहुत ही अच्छा कार्य उन्नति करने और प्रगतिशील समरस्ता की भाव को बनाने में कामयाब हुई हैं।

16- समाजिक रूप से दलित स्त्रियों का मजबूत नहीं होने के कारण विश्विद्याल में इनके साथ भेदभाव होता हैं। जिसको उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बहुत अनदेखा किया जाता हैं।

17- जाति व्यवस्था के कारण शिक्षा व्यवस्था में कई बार दलित स्त्रियों को इतना व्यक्तिगत रूप से समस्या के घेरे में लाया जाता है की वह उच्च शिक्षा से बंचित ही रहना चाहती हैं।

18- शिक्षण संस्थानों में कुछ दलित स्त्रियाँ हमेशा भेदभाव को अनदेखा करती हैं और उत्पीड़न मानसिक रूप से होने पर झेलने की आदत डाली हैं।

19- उच्च शिक्षा के संस्थानों में दलित स्त्रियों में कई स्त्रियाँ ने बहुत ही कानूनी रूप से जानकार होने के बाद उनसे कोई किसी प्रकार की समस्या नहीं या कोई दकियानूसी कार्य नहीं कर सकते हैं।

20- दलित स्त्रियों में ऐतिहासिक जानकारी जिनमे है वह जागरूक हुई है और अपने शिक्षा के क्षेत्र हो या सांस्कृतिक किसी वर्चस्व की हो वह अपने जागरूकता का परिचय देने से चुकती नहीं हैं। और दलित स्त्रियों में बुद्धिजीवी बिचार बहुत ही मजबूती से विकसित हुआ है। और उच्च शिक्षा से दलित दलित स्त्रियों में सकारात्मक सोच के कारण विकास हुआ हैं।